कागा वे मिठडी बोल

कागा वे मिठडी बोली बोल
गुरू जी कद आवनगे,

गुरु बिना मेरे जी नई लगदा ॥
गुरु बिना दरबार नई सजदा ॥
मेरी जुगा जुगा दी
प्यास आन बुझावणगे,

कागा वे मिठडी बोल,
गुरू जी कद आवनगे ॥
गुरु मेरा मेरे दिल दा जानी ॥
ओसदे वचन अमोलक वाणी ॥

मेनू जन्म जन्म दी विछड़ी
नु पास बिठावण गे,
कागा वे मिठडी बोल,
गुरू जी कद आवनगे ॥

गुरु मेरे ने मेरा भाग जगाया ॥
जन्म मरण दा गेड मुकाया ॥
साडी लाज गुरु दे हाथ

विच तोड़ निभावण गे,
कागा वे मिठडी बोल,
गुरू जी कद आवनगे

Source:
https://www.bharattemples.com/kaaga-ve-mithadi-bol-guru-ji-kad-aavange/

Bharat Temples

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw